

बिहार में बाढ़ में फँसे श्रमिक

चर्चा में क्यों

सूत्रों के अनुसार, [अधिक वर्षा](#) के कारण बिहार के बगहा में करीब 150 श्रमिक [बाढ़](#) में फँस गए हैं।

मुख्य बदि

- [राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल \(State Disaster Response Force- SDRF\)](#) ने फँसे हुए 150 श्रमिकों में से लगभग 40 को बचा लिया है, जिनमें बुजुर्ग, महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं।
- जल संसाधन विभाग के अनुसार [कोसी](#), [महानंदा](#), [बागमती](#), [गंडक](#), [कमला बलान](#) और [कमला](#) समेत प्रमुख नदियाँ खतरे के नशान से ऊपर हैं।

कोसी नदी



- कोसी एक अंतर-सीमा नदी है जो तिब्बत, नेपाल और भारत से होकर प्रवाहित होती है।
- इसका उद्गम तिब्बत में है जसिमें विश्व की सबसे ऊँची पहाड़ी शामिल है, तत्पश्चात् यह गंगा के मैदानों में प्रकट होने से पूर्व नेपाल के एक व्यापक हिस्से से अपवाहित होती है।
- इसकी तीन प्रमुख सहायक नदियाँ, सुन कोसी, अरुण और तमूर, [हिमालय की तलहटी](#) में नर्मिती 10 कमी. लंबी घाटी के ऊपर एक बदि पर मलिती

हैं।

- यह नदी उत्तरी बिहार में प्रवेश करती है, जहाँ यह कटहिर ज़िले के कुरसेला के पास गंगा में मलिन से पहले वभिन्न शाखाओं में बँट जाती है।
- भारत में [ब्रह्मपुत्र](#) के बाद कोसी नदी सबसे अधिक मात्रा में गाद और रेत अपवाहति करती है।
- इसे “बिहार का शोक” भी कहा जाता है क्योंकि वार्षिक बाढ़ लगभग 21,000 वर्ग किलोमीटर उपजाऊ कृषिभूमि को प्रभावति करती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त हो जाती है।

महानंदा नदी

- महानंदा नदी [गंगा](#) की एक सहायक नदी है।
- इसका उद्गम पश्चिम बंगाल के दार्जिलिग में हिमालय से होता है।
- यह नदी बिहार, पश्चिम बंगाल से होकर प्रवाहति होती है और फरि दक्षिण-पूर्व की ओर आगे बढ़कर बांग्लादेश में गोदागरी में गंगा में मलि जाती है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/workers-trapped-in-floodwaters-in-bihar>

